वर्ष 2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
फसल उत्पादन	4 2 0	हिन्दी

[redacted]

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: 2 0 1 6 2 9 0 5 6 ✗

शब्दों में: दो शून्य एक छः दो नौ शून्य पाँच छः ✗

नीचे दिये गये उदाहरण अनुसार रोल नम्बर भरें। 1 1 2 4 3 9 5

[redacted]

क :– पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ✗ शब्दों में

ख :– परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 07

ग :– परीक्षा का दिनांक 16 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 161022

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर — 16.6.20 — हायर सैकण्ड्री परीक्षा

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल वाणिज्य
प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमि
100 अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को 100 अंक
एवं स्वाध्यायी छात्रों को 100 अंक के प्राप्तांक ही अंकसूच

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

पृष्ठ 2 के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक-1

(i) (d) 38% ।

(ii) (d) जस्ता की कमी ।

iii) (b) चिनोपोडियम अल्बम ।

) (d) सिमेजिन ।

(v) (b) भारत ।

उत्तर क्रमांक-2

(i) 20 - 30° C ।

(ii) मशरूम तथा श्वेत बटन मशरूम

बर्टिसिलियम फंजिकोला नामक कवक ।

विटिस विनिफेरा ।

(v) 10000

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 3 के अंक | कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 3.

(i) सत्य ।

(ii) सत्य ।

सत्य ।

असत्य ।

(v) असत्य ।

B S E

उत्तर क्रमांक - 4.

"I"		"II"
(i) सी.एफ.टी.आर.आई.	-	(c) मैसूर मैसुर
(ii) साख समितियाँ	-	(e) केन्द्रीय सहकारी बैंक
दस वर्ग गण्टर्स जरीब	-	(d) एक एकड़ ।
रिवेन्यू चैन की लम्बाई	-	(b) 33 feet
(v) इंजीनियर्स चेन की लम्बाई	-	(a) 100 feet

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 5 (अथवा)

पौध संरक्षण :- फसल के सफल उत्पादन के लिए फसलो को रोगों, कीटों और खरपतवारों से सुरक्षित करना पौध संरक्षण कहलाता है। जिससे फसल के उत्पादन में वृद्धि होती है।

उत्तर क्रमांक - 6 (अथवा)

दो रासायनिक परिरक्षकों के नाम निम्नलिखित हैं -

(i) सोडियम बेन्जोएट
(ii) पोटेशियम मेटाबाई सल्फाइड
(iii) सोडियम मेटाबाई सल्फाइड

B S F

उत्तर क्रमांक - 7.

सहकारिता के दो सिद्धांत निम्नानुसार हैं -

(i) समानता
(ii) एकता
(iii) निःस्वार्थता
(iv) ऐच्छिक संगठन
(v) लोकतंत्रीय आधार

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 8.

खाद एवं उर्वरकों में तीन अंतर निम्नानुसार हैं -

खाद	उर्वरक
1. खाद को गोबर तथा सड़े-गले पदार्थों को सड़ाकर तैयार किया जाता है।	1. उर्वरकों को रासायनिक पदार्थों द्वारा कारखानों में कृत्रिम रूप से तैयार किया जाता है।
2. इसमें सभी प्रकार के पोषक तत्त्व उपस्थित रहते हैं।	2. इनमें एक या दो ही पोषक तत्व उपस्थित रहते हैं।
3. ~~इस~~ इसका उपयोग खेत में फसल बोने से पहले किया जाता है।	3. इनका उपयोग अधिकतर फसल की बुआई ~~या~~ के समय या खड़ी फसलों में किया जाता है।
4. इसके उपयोग से भूमि की जलधारण क्षमता बढ़ जाती है	4. इनके उपयोग से भूमि की जलधारण क्षमता नहीं बढ़ती है।

B
S
E

उत्तर क्रमांक - 9.

शोभाकारी उद्यानों के नाम		स्थान
1. मुगल गार्डन	-	नई दिल्ली
2. ताज गार्डन	-	आगरा
3. निशांत गार्डन	-	श्रीनगर
4. शालीमार गार्डन	-	श्रीनगर
5. राष्ट्रीय वानस्पतिक उद्यान	-	लखनऊ

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 10. (अथवा)

पौधों पर नाईट्रोजन की कमी के तीन लक्षण निम्नलिखित होते हैं—

(1.) नाईट्रोजन (N_2) की कमी से गेहूँ तथा अन्य कल्ले वाली फसलों में कल्ले की मात्रा घट जाती है।

(…) अनाज वाली फसलों की पहले पत्तियों की सबसे पहले ऊपर वाली सतह पीली पड़ती है तथा बाद में नीचली सतह भी पीली पड़ जाती है।

(…) पौधो में नाईट्रोजन की कमी से क्लोरोफिल (पर्णहरित) की मात्रा कम हो जाती है जिससे पौधे का रंग पीला हो जाता है।

(4.) नाईट्रोजन (N_2) की कमी होने से पौधे की वृद्धि रूक जाती है जिससे फसल उत्पादन घट जाता है।

उत्तर क्रमांक 11.

चार जैविक उर्वरकों के नाम ~~निम्नलि~~ निम्नलिखित हैं—

(i) एजोला - एनाबिना
(…) एजोटोबैक्टर
(…) राइजोबियम
(…) माइकोराइजा
(…) नील हरित शैवाल (~~साइनो~~ साइनोबैक्टीरिया)

Laser/Inkjet/Copier Label A4ST-16 99.1x33.9mmx16

पृष्ठ के अंक कुल अंक

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 12.

(अ) वानस्पतिक नाम :-
गन्ने का वानस्पतिक नाम सैकेरम आफिसिनेरम होता है।

(ब) कुल :-
इसका कुल ग्रेमिनी होता है।

(स) दो किस्में :-
गन्ने की दो किस्में निम्नानुसार हैं :-

(i) CO 1169
(ii) CO 775
(iii) Co 678
(iv) CO 617

(द) दो कीट :-
गन्ने में लगने वाले दो कीट निम्नानुसार है

(i) पाइरिला
(ii) तना छेदक / भेदक
(iii) अकोला भेदक।

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 13.

लैंगिक प्रसारण के चार लाभ निम्नलिखित हैं -

1. इस विधि द्वारा पौधे तैयार करने में समय, धन तथा श्रम तीनों कम खर्च होती हैं।

2. यह पौध प्रसारण की सरल एवं सस्ती विधि है।

3. इस विधि से तैयार पौधों का जीवनकाल बढ़ जाता है।

4. पौधों की नई जातियाँ केवल इसी विधि द्वारा तैयार की जाती है।

5. इस विधि में किसी भी प्रकार के तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है।

उत्तर क्रमांक - 14.

(अ) वानस्पतिक नाम :- अंगूर का वानस्पतिक नाम विटिस विनिफेरा होता है।

प्रश्न क्र.

(ब) फूल :-

अंगूर का फूल वाइटेसी होता है

(स) किस्में :-

अंगूर की दो किस्में निम्नानुसार हैं-

(i) अनाब ए शाही
(ii) पूसा बेदाना
(iii) थोमूसन बेदाना
(iv) परलेट
(v) ब्यूटी बेदाना

(द) कीट :-

अंगूर में लगने वाले दो कीट निम्नलिखित हैं-

(i) थ्रिप्स जैसिड । एफिड
(ii) फ्लाक चेफर बीटल
(iii) थ्रीप्स ।

उत्तर क्रमांक - 15.

जलनिकास की आवश्यकता के प्रमुख चार कारण निम्नानुसार हैं-

1. निचले स्थान वाले खेतों में वर्षा का जल भर जाने से बुवाई करने में परेशानी होती है इसलिए जल निकास की आवश्यकता होती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

2. भूमि को लवणीय होने से बचाने के लिए जल निकास की आवश्यकता होती है।

3. सिंचाई करने के तुरंत बाद वर्षा होने पर जल निकास करने की आवश्यकता पड़ती है।

4. चिकनी मिट्टी वाले खेतो में खड़ी फसलें ज नष्ट हो जाती है इसलिए जल निकास आवश्यक है।

भूमि की भौतिक तथा रासायनिक दशा को खराब होने से बचाने के लिए जल निकास की आवश्यकता होती है।

B
S
E

उत्तर क्रमांक - 16.

(अ) वानस्पतिक नाम एवं कुल :-

मूंग का वानस्पतिक नाम फैसिओलस ओरियस तथा इसका पुराना नाम विग्ना रेडिएटा है

कुल :- मूंग को लेग्यूमिनेसी कुल में रखा जाता है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL
माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश
B
S
E

(ब) बीजदर / हेक्टेयर :-

~~(i) ग्रीष्मकालीन~~

(i) ग्रीष्मकाल तथा बसंत काल में बोई जाने वाले मूंग की बीजदर 25 - 30 किग्रा. / हेक्टेयर होता है।

(ii) खरीफ ऋतु में बोई जाने वाले मूंग की बीजदर 12 किग्रा प्रति हेक्टेयर होती है।

(स) किस्में :-

मूंग की उन्नतशील किस्में निम्नलिखित होती हैं :-

(1.) पूसा बैसाखी
(2.) पंत मूंग - I
(3.) पंत मूंग - II
(4.) टाइप - 01

(द) कीट :-

मूंग में लगने वाले कीटों के नाम निम्नानुसार हैं -

1.) फली छेदक
2.) कमला कीट
3.) टिड्डी

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(ई) रोग :- मूंग में लगने वाले दो रोग निम्नलिखित होते हैं :-

(1.) पीला चित्रवर्ण
(2.) पत्रदाग
(3.) लीफ कर्ल रोग ।

उत्तर क्रमांक - 17.

B
S
E

(अ) वानस्पतिक नाम :- आम का वानस्पतिक नाम मैन्जीफेरा इण्डिका होता है ।

(ब) कुल :- इसे एनाकार्डिएसी कुल में रखा जाता है ।

(स) किस्में आम की उन्नतशील किस्में निम्नानुसार हैं :-

(1.) दशहरी
(2.) नीलम
(3.) चौसा
(4.) लंगड़ा
(5.) अल्फैन्जो

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

(५) प्रसारण की विधियाँ :-

आम में प्रसारण लैंगिक एवं अलैंगिक दोनो तरिको से किया जाता है। लैंगिक विधि में मूलवृन्त तैयार किया जाता है जबकि अलैंगिक विधि में इनार्चिंग, लेयरिंग तथा कलम विधि का प्रयोग करते हैं। इन सभी विधियों में से आम के प्रसारण के लिए इनार्चिंग विधि सर्वोत्तम मानी जाती है

(६) कीट :-

आम में लगने वाले दो कीट निम्नलि होते हैं —

(1.) मीली बग
(2.) फल मक्खी या सफेद मक्खी
(3.) लाल चिटियाँ
(4.) कुटकी या भुनगा ।

उत्तर क्रमांक - 18.

अच्छी जैली की पाँच विशेषताएँ निम्नलिखित हैं —

(1.) अच्छी जैली हमेशा पारदर्शी होती है।

(2.) जैली को जिन फलों से तैयार किया जाता है उसमें उनकी (उनकी सुगन्ध तथा स्वाद जैली में पाया जाता है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(3.) अच्छी जैली खाने एवं छूने पर चिपकती नहीं है।

(4.) जैली को जिस बर्तन या जार में संग्रहित किया जाता है, वह उसका आकार ले लेती है।

(5.) जैली को काटने पर वह अलग-अलग भागों में बँट जाती है।

B
S
E

(6.) अच्छी जैली में कम्पन नहीं होता है।